चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| हरि भूमि | 28.5.26 | 3 | 7-8 |

# वर्तमान परिस्थितियों में ऊर्जा का संरक्षण करना बहुत जरूरी : डॉ. शर्मा

- **हकृवि में ऊर्जा संरक्षण एवं हीट स्ट्रोक विषय पर जागरूकता कार्यक्रम**

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में ऊर्जा संरक्षण एवं हीट स्ट्रोक विषय पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपरोक्त महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मोनिका शर्मा मुख्य संयोजक एवं डॉ. नीलम रोज व डॉ. बीनू सांगवान सह संयोजक के तौर पर उपस्थित रही। अधिष्ठाता डॉ. मोनिका शर्मा ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों को मध्यनजर रखते हुए ऊर्जा का संरक्षण करना बहुत जरूरी है। प्राकृतिक संसाधन हमारी राष्ट्रीय धरोहर हैं। इसलिए इनका उपयोग सीमित एवं आवश्यकता अनुसार ही किया जाए ताकि आने वाली पीढ़ियों को किसी प्रकार की परेशानी न झेलनी पड़े। उन्होंने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों से ऊर्जा संरक्षण के लिए निर्धारित मापदंडों को अपने दैनिक जीवन में अपनाने का भी अनुरोध किया। उन्होंने हीट स्ट्रोक (लू) से सावधान रहने के लिए भी कहा। कार्यक्रम में डॉ. कविता दुआ ने ऊर्जा संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला। इस मौके पर डॉ. प्रोमिला दहिया, डॉ. उर्वशी नांदल, डॉ. शालिनी आदि मौजूद थे।

हिसार। कार्यक्रम में विचार रखते वक्ता व परस्थित शिक्षक और छात्राएं।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| दैनिक भास्कर | 28.5.26 | 04 | 7-8 |

## एचएयू में ऊर्जा संरक्षण और हीट वेव से बचाव पर जागरूकता कार्यक्रम हुआ

हिसार | चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में ऊर्जा संरक्षण और हीट स्ट्रोक पर जागरूकता कार्यक्रम हुआ। अधिष्ठाता डॉ. मोनिका शर्मा ने ऊर्जा बचत को समय की जरूरत बताते हुए कहा कि प्राकृतिक संसाधन राष्ट्रीय धरोहर हैं, इसलिए उनका उपयोग सीमित और आवश्यकता के अनुसार होना चाहिए, ताकि आगे की पीढ़ियों को कठिनाई न हो। उन्होंने विद्यार्थियों व शिक्षकों से दैनिक जीवन में ऊर्जा बचत के उपाय अपनाने का आग्रह किया और लू से सतर्क रहने को कहा। डॉ. कविता दुआ ने संसाधनों के बढ़ते दोहन पर चिंता जताई। डॉ. प्रोमिला दहिया ने एलईडी बल्ब अपनाने, उपयोग के बाद उपकरण बंद रखने और सार्वजनिक परिवहन बढ़ाने पर जोर दिया। डॉ. उर्वशी नांदल ने लू के लक्षण व बचाव बताए। अंत में प्रश्नोत्तर सत्र हुआ। डॉ. शालिनी ने मंच संचालन किया। महाविद्यालय के शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| नभ छोर | 27.05.2026 | -- | -- |


# ऊर्जा संरक्षण एवं हीट स्ट्रोक पर कार्यक्रम : प्राकृतिक संसाधन हमारी राष्ट्रीय धरोहर : डॉ. मोनिका शर्मा

नभ-छोर न्यूज ›› 27 मई

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में ऊर्जा संरक्षण एवं हीट स्ट्रोक विषय पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपरोक्त महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मोनिका शर्मा मुख्य संयोजक तथा डॉ. नीलम रोज व डॉ. बीनू सांगवान सह संयोजक के तौर पर उपस्थित रही। अधिष्ठाता डॉ. मोनिका शर्मा ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों को मध्यनजर रखते हुए ऊर्जा का संरक्षण करना बहुत जरूरी है। प्राकृतिक संसाधन हमारी राष्ट्रीय धरोहर हैं। इसलिए इनका उपयोग सीमित एवं आवश्यकता अनुसार ही किया जाए ताकि आने वाली पीढ़ियों को किसी प्रकार की परेशानी न झेलनी पड़े। उन्होंने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों से ऊर्जा संरक्षण के लिए निर्धारित मापदंडों को अपने दैनिक जीवन में अपनाने का भी अनुरोध किया। उन्होंने हीट स्ट्रोक (लू ) से सावधान रहने के लिए भी कहा। कार्यक्रम में डॉ. कविता दुआ ने ऊर्जा संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि किस प्रकार प्राकृतिक संसाधनों का दोहन किया जा रहा है। उन्होंने प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग आवश्यकता अनुसार करने का अनुरोध किया।

डॉ. प्रोमिला दहिया ने कहा की छोटी-छोटी आदतों को दैनिक जीवन में अपनाकर बड़ी मात्रा में ऊर्जा का संरक्षण किया जा सकता है। उन्होंने एलईडी बल्ब का प्रयोग करने, बिजली के उपकरण उपयोग के बाद बंद करने तथा सार्वजनिक परिवहन के उपयोग को बढ़ावा देने पर बल दिया। डॉ.

उर्वशी नांदल ने लू लगने के बारे में विद्यार्थियों एवं उपस्थित शिक्षकों को बताया कि वर्तमान में जो लू चल रही हैं इससे तापमान और तेज धूप के कारण शरीर का तापमान अत्यधिक बढ़ जाता है। इसे लू लगना कहा जाता है। यह एक गंभीर स्थिति है जो समय पर उपचार नहीं मिलने पर खतरनाक हो सकती है। उन्होंने इसके मुख्य लक्षण एवं सावधानियां से भी अवगत करवाया। लू लगने के मुख्य लक्षण जैसे तेज बुखार, चक्कर आना, सिर दर्द, अत्यधिक पसीना आना, कमजोरी तथा उल्टी लगना शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इसका सबसे ज्यादा खतरा छोटे बच्चों और बुजुर्गों को होता है। लू से बचने के लिए दोपहर के समय तेज धूप में बाहर जाने से बचें, पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं, हल्के एवं सूती वस्त्र पहने, छाता, टोपी एवं गमछे का प्रयोग करें। डॉ. शालिनी ने मंच का संचालन किया।